पहचान चुके थे, इसलिए उनको उस समय दीक्षा न देकर, सायंकाल शुक्रवार के साप्ताहिक सत्संग में राजकृष्ण जी नैय्यर के निवास पर आने के लिए कहा। इस बार इस नवयुवक ने देर न होने दी और गुरुदेव के पधारने से पूर्व ही पहुँच गए और गुरुदेव ने भी इस तेजस्वी बालक को नाम–दान देकर निहाल कर दिया।

कालांतर में परम पूज्य श्री प्रेमनाथ जी महाराज के निर्वाण के उपरांत उनके इसी तेजस्वी शिष्य को ट्रस्ट ने सर्वसम्मति से उनका उत्तराधिकारी नियुक्त किया और वे महाराज श्री विश्वामित्र जी के नाम से जाने जाने लगे। परम पूज्य डॉक्टर विश्वामित्र जी ने भी कार्य भार सँभालते ही कुछ ही दिन के पश्चात हाँसी के साधना सत्संग के पश्चात हिसार में पधारने की कृपा की। इसके बाद हर वर्ष अपने गुरुदेव व स्वामी जी की भाँति प्रति वर्ष यहाँ के साधकों को कृतार्थ करते रहे। पंडित लक्ष्मीदत्त के दिवंगत होने के पश्चात उन्होंने उनके परिवार से सम्मति करके दैनिक और साप्ताहिक सत्संग के लिए श्रीरामशरणम् के निर्माण की प्रेरणा की जिसके फलस्वरूप कुछ ही समय में सब साधकों के साथ विमर्श करके, पूज्य श्री ने इसकी इजाजत दे दी। सब औपचारिकताएँ पूर्ण होने पर 28 अप्रैल 2001 वैशाख की पंचमी का दिन भूमि पूजन के लिए तय कर दिया। एक दिन पहले महाराज श्री हिसार पधार गए और पंचमी को प्रातः 7 से 8 तक अग्निहोत्र यज्ञ में मंत्रोच्चारण द्वारा भूमि–पूजन का कार्य स्वयं सम्पन्न किया। उसके पश्चात सत्संग व प्रवचन का कार्यक्रम नियत समय के अनुसार 8–30 बजे से शुरू हुआ जिसमें हिसार व विभिन्न स्थानों से आये अनेक साधकों ने भाग लेकर लाभ उठाया। पूज्य श्री के दिशा निर्देश के अनुसार निर्माण कार्य शुरू हुआ और लगभग 6 मास में सारा कार्य पूर्ण हो गया। इसके बाद महाराज श्री विश्वामित्र जी ने 9 जनवरी 2002 को पौष माह के कृष्णपक्ष की सफला एकादशी का दिन श्री रामशरणम् के उद्घाटन के लिए नियत किया। इसके लिए यह भी निर्देश था कि इससे एक सप्ताह पूर्व 2 जनवरी से अखंड जाप शुरू किया जाये और इसमें कम से कम सवा करोड़ सामूहिक राम नाम महामन्त्र का जाप किया जाए, ऐसा ही हुआ।

8 जनवरी को एक दिन पूर्व ही महाराज श्री हिसार में पधार गये। अगले दिन पहले अखंड जप की पूर्णाहुति हुई, जिसके पश्चात 9–30 से 10–30 तक अग्निहोत्र यज्ञ हुआ जिसमें महाराज श्री ने अपने कर–कमलों से पूर्णाहुति प्रदान की। इसके बाद श्री महाराज का सभी गण्य–मान्य साधकों ने हार्दिक स्वागत करते हुए उनसे उद्घाटन करने का निवेदन किया। महाराज श्री, फीता (Ribbon) काटने की रस्म के पश्चात पहले अकेले ही हाल में गए, और अपने संकल्प व गोपनीय मंत्रों से प्राण–प्रतिष्ठा की। इसके पश्चात सभी साधकों को अंदर आने की अनुमति हुई और सत्संग में अमृतवाणी का पाठ, भजन व प्रवचन हुआ। श्री महाराज ने सभी को आशीर्वाद दिये, मंगल कामनाओं सहित बधाई दी व साथ ही प्रबंधक मण्डल को भी निर्देश दिए कि किस प्रकार निष्काम भाव से सेवा कार्य करना चाहिए। इसके बाद सभी के लिये प्रसाद–स्वरूप भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें सभी ने प्रसाद पाया। बहुत दूर से अनेकों साधकजन पधारे हुए थे, सभी को परमेश्वर का व महाराज श्री का आशीर्वाद मिला। सब कार्य संपन्न करके महाराज श्री अति प्रफुल्लित थे कि इस अत्यंत महत्वपूर्ण तीर्थ का प्रभु–अर्पण करने का कार्य इतने सुंदर ढंग से संपन्न हुआ। इसके पश्चात सभी ने श्री महाराज जी को विदाई दी।

सभी साधकों को चाहिए कि सभी तीर्थ–तुल्य श्री रामशरणम् हैं, उन सभी में निष्काम भाव से सेवा कार्य करने में बढ़–चढ़ करके भाग लें। निष्काम भाव से ऐसा करने से परमेश्वर पूजन भी होगा, गुरु पूजन भी होगा और आत्म–कल्याण भी होगा। आइए हम सभी अपने देव–तुल्य गुरुजनों को कृतज्ञतापूर्वक बारम्बार सादर प्रणाम करते हुए धन्यवाद करें। ■

Mindful Board Game

There are many ways of being mindful. Today, let's explore and have fun practicing some of them by making your own special board game that you can play by yourself or invite family and friends to play with you.

Step 1: Use the template below to make your personal board game.

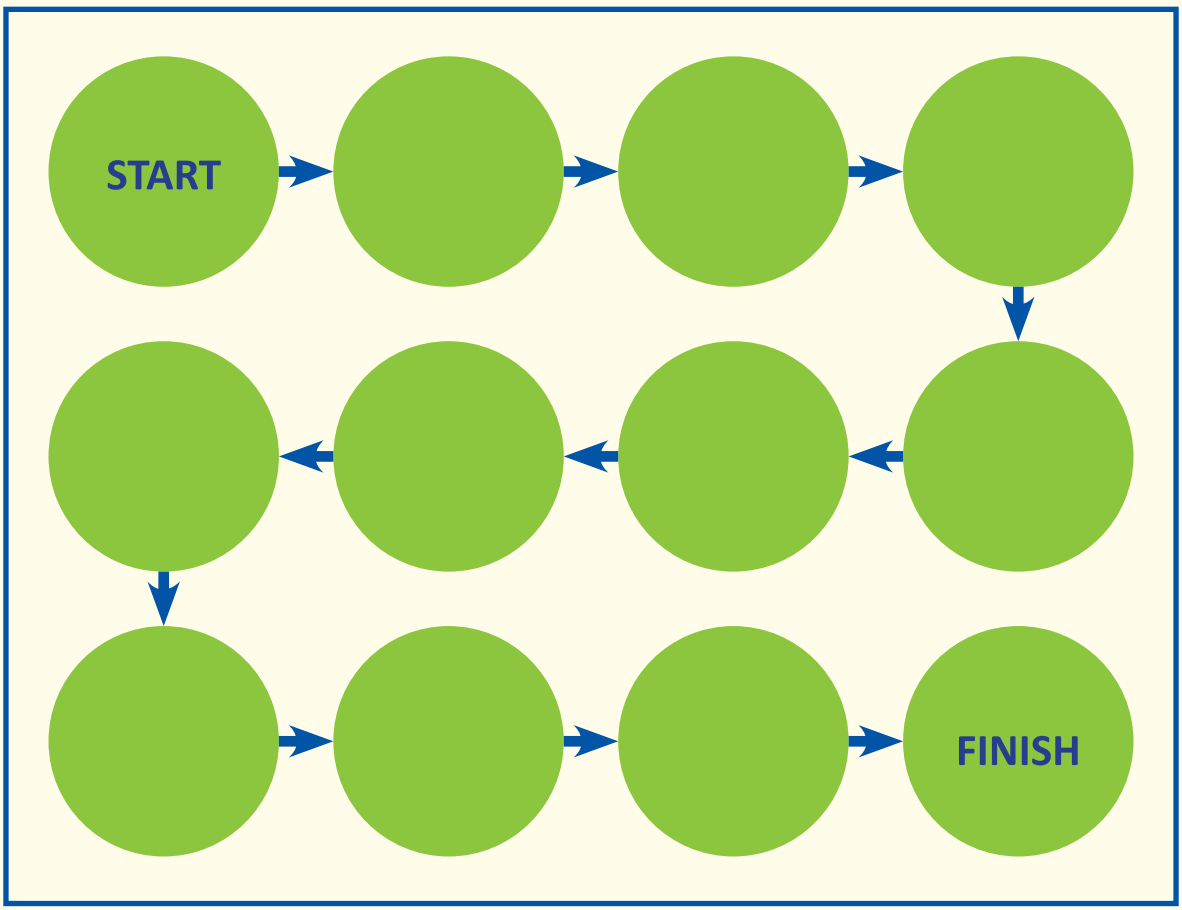

Step 2: Cut any of the mindfulness ideas below that you like and paste them randomly on the empty green circles of the game board above. Use the empty orange circles to come up with your own ideas.

- hug yourself
- share a kind thought
- take 5 deep breaths
- name 2 sounds you hear

Step 3: You will need tokens for this board game. Hunt for small nature treasures like a leaf, pebble, tiny stone, twig etc to use as tokens on your game board. You may even re-use something you already have like an eraser, pen cap, bottle cap or something similar.

Step 4: Cut out the numbers below and put them in a small cup, to use as dice. Or you may use a regular 6 sided dice, if you have one at home.

1	2	3	4	5	6

Game Tips:

1. Place your token(s) at the 'Start' position.
2. Close your eyes and pick up a number from the cup (step 4) or roll the dice.
3. Move forward on the game board by following the arrows.
4. If playing with family and friends, take turns so everyone gets a turn to play.
5. This is your game, so make your own additional rules, if needed.
6. Game finishes when any one player reaches the 'Finish' position.
7. Smile, relax, and enjoy! ■

विभिन्न केन्द्रों पर सम्पन्न कार्यक्रम

(अक्तूबर से दिसम्बर 2022)

साधना सत्संग, खुले सत्संग, उद्घाटन एवं नाम दीक्षा का विवरण

- **अब्दुलागंज,** मध्य प्रदेश में 7 सितम्बर 2022 को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के बाद 192 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **हरिद्वार,** उत्तराखण्ड में नवरात्री के उपलक्ष्य में रामायणी सत्संग 26 सितम्बर से 5 अक्तूबर तक लगा।
- **बटाला,** पंजाब में 25 सितम्बर को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के बाद 56 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **पतलीकुल**, हिमाचल में नवनिर्मित श्री रामशरणम् का उद्घाटन 5 अक्तूबर, विजयदशमी के दिन हुआ। इस आयोजन में 45 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **गुरदासपुर,** पंजाब में 7 से 9 अक्तूबर तक खुले सत्संग का आयोजन हुआ, 194 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **पठानकोट,** पंजाब में 15 से 16 अक्तूबर तक खुले सत्संग का आयोजन हुआ, 245 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **जम्मू,** में 28 से 30 अक्तूबर तक खुले सत्संग का आयोजन हुआ, 276 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **मेलबर्न,** अस्ट्रेलिया (Melbourne, Australia) में, गुरुजनों की अपार कृपा से हरे कृष्णा वैली, बाम्बरा, विक्टोरिया में 4 से 6 नवम्बर तक खुला सत्संग सम्पन्न हुआ। तीनों दिन गुरुजनों की सूक्ष्म उपस्थिति अनुभव होती रही। साधकों के अनुशासन की आयोजकों ने भूरी भूरी प्रशंसा की। सत्संग के उपरान्त 9 नए साधक स्वामी जी के परिवार में सम्मिलित हुए।
- **नामरुप,** असाम, में 3 नवम्बर को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के बाद 21 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **कोलकता** में 5 नवम्बर को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के बाद 25 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **अमृतसर,** पंजाब में 6 नवम्बर को खुले सत्संग का आयोजन हुआ, 98 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **हरिद्वार,** उत्तराखण्ड में परम पूजनीय स्वामी जी महाराज के निर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में 11 से 14 नवम्बर तक साधना सत्संग लगा। 11 नवम्बर को 9 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **कपूरथला,** पंजाब में 18 से 21 नवम्बर तक साधना सत्संग का आयोजन हुआ, 22 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **दिल्ली श्री रामशरणम्** में अक्तूबर नवम्बर में 54 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **सुजानपुर,** पंजाब में 25 से 27 नवम्बर तक खुले सत्संग का आयोजन हुआ, 275 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **ग्वालियर (लश्कर),** मध्य प्रदेश में श्री रामायण जी के अखण्ड पाठ के बाद 28 नवम्बर को 12 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **आलमपुर,** हिमाचल प्रदेश में 4 दिसम्बर को खुले सत्संग का आयोजन हुआ, 40 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **भिवानी,** हरियाणा में, 10 से 11 दिसम्बर तक खुले सत्संग का आयोजन हुआ, 33 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **सूरत,** गुजरात में, 17 से 18 दिसम्बर तक खुले सत्संग का आयोजन हुआ, 147 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **रिवाड़ी,** हरियाणा में, 23 से 24 दिसम्बर तक खुले सत्संग का आयोजन होगा।
- **लखनऊ,** (उ.प्र) में 25 दिसम्बर को विशेष अमृतवाणी सत्संग के पश्चात् नाम दीक्षा होगी। ■

Sadhna Satsang (January to December 2023)

Hansi	3 to 6 Feb	Friday to Monday
Indore	17 to 20 Feb	Friday to Monday
Haridwar	13 to 16 March	Monday to Thursday
Haridwar	2 to 7 April	Sunday to Friday
Haridwar (Only for Jhabua)	15 to 18 April	Saturday to Tuesday
Haridwar (Only for Jhabua)	20 to 23 April	Thursday to Sunday
Haridwar	28 June to 3 July	Wednesday to Monday
Haridwar	30 Sept to 3 Oct	Saturday to Tuesday
Haridwar (Ramayani)	15 to 24 October	Sunday to Tuesday
Haridwar	11 to 14 November	Saturday to Tuesday
Kapurthala	17 to 20 November	Friday to Monday

Poornima (January to December 2023)

January	6	Friday
February	5	Sunday
March	7	Tuesday
April	6	Thursday
May	5	Friday
June	4	Sunday
July	3	Monday
August	1	Tuesday
August	31	Thursday
September	29	Friday
October	28	Saturday
November	27	Monday
December	26	Tuesday

Open Satsang (January to December 2023)

Jhabua	15 to 17 January	Sunday to Tuesday
Pune	21 January	Saturday
Bilaspur	22 January	Sunday
Pilibanga	28 to 29January	Saturday to Sunday
Rattangarh	4 to 5 March	Saturday to Sunday
Delhi	6 to 8 March (Holi)	Monday to Wednesday
Kapurthala	10 to 11 March	Friday to Saturday
Paonta Sahib	19 March	Sunday
Jhabua (Maun Sadhna)	21 to 30 March	Tuesday to Thursday
Bhareri	8 April	Saturday
Hisar	29 to 30 April	Saturday to Sunday
Mandi	7 May	Sunday
Kandaghat	14 May	Sunday
Hoshiarpur	21 May	Sunday
Manali	14 to 16 June	Wednesday to Friday
Delhi	27 to 29 July	Thursday to Saturday
Rohtak	12 to 13 August	Saturday to Sunday
Alampur	3 September	Sunday
Rewari	16 to 17 September	Saturday to Sunday
Pathankot	23 to 24 September	Saturday to Sunday
Gurdaspur	6 to 8 October	Friday to Sunday
Sujanpur	27 to 29 October	Friday to Sunday
Jammu	3 to 5 November	Friday to Sunday
Amritsar	3 December	Sunday
Melbourne	1 to 3 December	Friday to Sunday
Surat	16 to 17 December	Saturday to Sunday
Bhiwani	23 to 24 December	Saturday to Sunday

Naam Deeksha in Other Centers (January to December 2023)

Ludhiana	8 January	Sunday
Bagh, Dist. Dhar (M.P.)	9 January	Monday
Bolasa (Jhabua)	10 January	Tuesday
Kalyanpura (Jhabua)	11 January	Wednesday
Dahod (Gujarat)	12 January	Thursday
Banswara (Rajasthan)	13 January	Friday
Kushalgarh (Rajasthan)	14 January	Saturday
Jhabua	15 January	Sunday
Kolhapur	20 January	Friday
Pune	21 January	Saturday
Bilaspur	22 January	Sunday
Rohtak	26 January	Thursday
Faridabad	26 January	Thursday
Pillibanga	29 January	Sunday
Hansi	5 February	Sunday
Dewas	12 February	Sunday
Indore	19 February	Sunday
Ramtirath / Bansgehan	22 February	Wednesday
Jalandhar	26 February	Sunday
Amarpatan	1 March	Wednesday
Rattangarh	4 March	Saturday
Kapurthala	11 March	Saturday
Hira Nagar	18 March	Saturday
Paonta Sahib	19 March	Sunday
Bhareri	8 April	Saturday
Jawali	14 April	Friday
Hisar	30 April	Sunday
Mandi	7 May	Sunday
Kandaghat	14 May	Sunday
Hoshiarpur	21 May	Sunday
Faridabad	25 May	Thursday
Chambi	4 June	Sunday
Manali	16 June	Friday
Kishtwar	24 June	Saturday
Bhaderwah	25 June	Sunday
Alampur	3 September	Sunday
Pathankot	24 September	Sunday
Gurdaspur	8 October	Sunday
Sujanpur	29 October	Sunday
Jammu	5 November	Sunday
Kapurthala	19 November	Sunday
Melbourne	3 December	Sunday
Amritsar	3 December	Sunday
Bhopal	10 December	Sunday
Surat	17 December	Sunday
Bhiwani	24 December	Sunday

Naam Deeksha In Shree Ram Sharnam Delhi (January to December 2023)

January	1	Sunday
March	12	Sunday
April	9	Sunday
May	28	Sunday
July	3	Monday
August	6	Sunday
September	10	Sunday
October	15	Sunday
November	26	Sunday
December	10	Sunday

यदि आप 'सत्य साहित्य' की इस प्रति को नहीं रखना चाहते,
तो कृपया इसे अपने स्थानीय केन्द्र या निकटतम श्रीरामशरणम् को लौटा दें।

प्रकाशक मुद्रक श्री अनिल दीवान द्वारा श्री स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट, 8 ए रिंग रोड, लाजपत नगर–IV नई दिल्ली. 110024 से प्रकाशित
एवं रेव स्कैनस प्राइवेट लिमिटेड, 216, सेक्टर-4, आई.एम.टी. मानेसर, गुरुग्राम, हरियाणा-122051 से मुद्रित। संपादकः मेधा मलिक कुदेसिया एवम् मालविका राय

Publisher and printer Shri Anil Dewan for Shree Swami Satyanand Dharmarth Trust, 8-A Ring Road, Lajpat Nagar IV, New Delhi 110024 and
printed at Rave Scans Private Limited, 216, Sector-4, IMT Manesar, Gurugram, Haryana-122051. Editors: Medha Malik Kudaisya and Malvika Rai.

©श्री स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट, नई दिल्ली

ईमेल: shreeramsharnam@hotmail.com
वेबसाईट: www.shreeramsharnam.org

RNI No. DELBIL/2017/72924